"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था कोल्हापूर, संचालित

दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स अॅन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

हिंदी विभाग

प्रोग्राम आऊटकम (PO)

अ.नं	कोर्स	प्रोग्राम आऊटकम
1	बी.ए. भाग -1 अनिवार्य हिंदी, प्रश्नपत्र – A-B वैकल्पिक हिंदी, प्रश्नपत्र – A-B बी.कॉम भाग –1 अनिवार्य हिंदी, प्रश्नपत्र – A-B	1) छात्रों में हिंदी भाषा तथा व्याकरण का सामान्य परिचय कराना। 2) छात्रों में सृजनात्मक लेखन एवं व्यावहारिक लेखन कौशल्य का विकास कराना। 3) छात्रों को मानक वर्तनी के नियमों से एवं उसमें होनेवली अशुद्धियों से परिचित कराना। 4) छात्रों की साहित्य के प्रति रुचि बढाना तथा विविध विधाओं से परिचित कराना। 5) छात्रों में श्रवण, पठन, लेखन एवं विचार तथा कल्पनाक्षमता को विकसित कराना। छात्रों में नैतिक मुल्य, राष्ट्र प्रेम, एकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता निर्माण कराना।
2	बी.ए. भाग- 2 1. प्रश्नपत्र – III – अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य 2. प्रश्नपत्र – IV – हिंदी संतकाव्य तथा राष्ट्रीय काव्यधारा 3. प्रश्नपत्र – V रोजगारपरक हिंदी प्रश्नपत्र – VI 4. अस्मितामूलक विमर्श और पद्य साहित्य	1) छात्रों में कथा एवं कथेत्तर साहित्य के प्रति रुचि बढाना एवं हिंदी में उपलब्ध विविध रोजगारों की जानकारी दिलाना। 2) छात्रों को गद्य विधाओं का स्वरूप, प्रकार, तत्त्व एवं उपयोगिता से अवगत कराना। 3) छात्रों को मध्यकालीन एवं आधुनिक कवि एवं उनकी कविताओं से परिचित कराना। 4) छात्रों को नैतिक मुल्य, राष्ट्रीय एकात्मता, सामाजिक जिम्मेदारी एवं विविध विमर्शों से अवगत कराना।
3	बी.ए. भाग- 3 1. प्रश्नपत्र – VII और XII विधा विशेष का अध्ययन 2. प्रश्नपत्र – VIII और XIII साहित्यशास्त्र	1) छात्रों को नाटक एवं उपन्यास विधा की प्रासंगिकता, महत्त्व तथा रचना का मुल्यांकन करने में सक्षम करना। 2) छात्रों में काव्य के अंग, आलोचना तथा साहित्य समीक्षा अभिरुची को विकसित कराना।

Edit with WPS Office

	3. प्रश्नपत्र – IX और XIV हिंदी साहित्य का इतिहास 4. प्रश्नपत्र – X और XV प्रयोजनमूलक हिंदी 5. प्रश्नपत्र – XI और XVI भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा	3) छात्रों को हिंदी साहित्य के आदिकाल, मध्यकाल एवं आधुनिक कालीन साहित्य एवं साहित्यकारों से परिचित कराना। 4) छात्रों को हिंदी पारिभाषिक शब्दावली, संदर्भ ग्रंथ, इलेक्ट्रॉनिक एवं मुद्रित जनसंचार माध्यमों से अवगत कराना। 5) छात्रों को भाषा के विविध रूपों, लिपि का विकास, भाषाविज्ञान तथा हिंदी भाषा के उद्भव और विकास से परिचित कराना।

हिंदी विभाग प्रमुख

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था,कोल्हापूर, संचालित

दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स अॅन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

हिंदी विभाग

प्रोग्राम पेसिफिक आऊटकम (PSO)

अ.नं	कोर्स	प्रोग्राम पेसिफिक आऊटकम
1	बी.ए. भाग -1 (सत्र- I, II) अनिवार्य हिंदी, प्रश्नपत्र – A-B वैकल्पिक हिंदी, प्रश्नपत्र – A-B बी.कॉम भाग –1 अनिवार्य हिंदी, प्रश्नपत्र – A-B	1) छात्रों में हिंदी भाषा तथा व्याकरण का सामान्य जानकारी प्राप्त होगी। 2) छात्रों में सृजनात्मक लेखन एवं व्यावहारिक लेखन कौशल्य का विकास होने में मदत होगी। 3) छात्र मानक वर्तनी के नियम एवं उसमें होनेवाली आशुद्धियों से परिचित होंगे। 4) छात्रों में साहित्य के प्रति रुचि बढेगी तथा छात्र विविध विधाओं से परिचित होंगे। 5) छात्रों में श्रवण, पठन, लेखन एवं विचार तथा कल्पना क्षमता का विकास होगा। छात्रों में नैतिक मुल्य, राष्ट्र प्रेम, एकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता निर्माण होगी।
2	बी.ए. भाग- 2 (सत्र- III, IV)	

Edit with WPS Office

	1. प्रश्नपत्र – III – अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य 2. प्रश्नपत्र – IV – हिंदी संतकाव्य तथा राष्ट्रीय काव्यधारा 3. प्रश्नपत्र – V रोजगारपरक हिंदी 4. प्रश्नपत्र – VI अस्मितामूलक विमर्श और पद्य साहित्य	1) छात्रों में कथा एवं कथेत्तर साहित्य के प्रति रुचि बढेगी एवं छात्रों को हिंदी में उपलब्ध विविध रोजगारों की जानकारी प्राप्त होगी। 2) छात्र साहित्यिक गद्य विधाओं का स्वरूप, प्रकार, तत्त्व एवं उपयोगिता से परिचित होंगे। 3) छात्र मध्यकालीन एवं आधुनिक कवि एवं उनकी कविताओं से परिचित होंगे। 4) छात्र अपना नैतिक मुल्य, राष्ट्रीय एकात्मता, सामाजिक जिम्मेदारी एवं विविध विमर्शो से अवगत होंगे।
3	बी.ए. भाग- 3 (सत्र- V, VI) 1. प्रश्नपत्र – VII और XII विधा विशेष का अध्ययन 2. प्रश्नपत्र – VIII और XIII साहित्यशास्त्र 3. प्रश्नपत्र – IX और XIV हिंदी साहित्य का इतिहास 4. प्रश्नपत्र – X और XV प्रयोजनमूलक हिंदी 5. प्रश्नपत्र – XI और XVI भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा	1) छात्र नाटक एवं उपन्यास विधा की प्रासंगिकता, महत्त्व तथा रचना का मुल्यांकन करने में सक्षम होंगे। 2) छात्रों में काव्य के अंग, आलोचना तथा साहित्य समीक्षा अभिरुची का विकास होगा। 3) छात्र हिंदी साहित्य का आदिकाल, मध्यकाल एवं आधुनिक कालीन साहित्य एवं साहित्यकारों से परिचित होंगे। 4) छात्र हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली, संदर्भ ग्रंथ, इलेक्ट्रॉनिक एवं मुद्रित जनसंचार माध्यमो से अवगत होंगे। 5) छात्र हिंदी भाषा के विविध रूप, लिपि का विकास, भाषाविज्ञान तथा हिंदी भाषा के उद्भव और विकास से परिचित होंगे।

हिंदी विभाग प्रमुख

Edit with WPS Office

-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था,कोल्हापूर, संचालित

दत्ताजीराव कदम आर्ट्स,सायन्स अॅन्ड कॉमर्स कॉलेज, इचलकरंजी

हिंदी विभाग

कोर्स आऊटकम (CO)

—. नं	कोर्स	कोर्स आऊटकम
1.	बी.ए. भाग - I (सत्र- I) अनिवार्य हिंदी, बी.कॉम भाग – I अनिवार्य हिंदी, प्रश्नपत्र – A (सृजनात्मक लेखन)	1. छात्रों को हिंदी भाषा तथा व्याकरण का अध्ययन कराना। 2. छात्रों को सृजनात्मक लेखन का सामान्य परिचय देना। 3. सृजनात्मक लेखन की विविध विधाओं से छात्रों को परिचित कराना। 4. विविध विधाएँ कविता, कहानी, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, दृश्य साहित्य, पत्रकारिता आदि से छात्रों को अवगत कराना तथा छात्रों को सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों के महत्त्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना।
	बी.ए. भाग - I (सत्र- II) अनिवार्य हिंदी, बी.कॉम भाग – I अनिवार्य हिंदी, प्रश्नपत्र – B (व्यावहारिक लेखन)	1. हिंदी के विविध रूपों से छात्रों से अवगत कराना। 2. छात्रों को प्रयोजनमूलक हिंदी से परिचित कराना। 3. पत्राचार का स्वरूप एवं प्रकारों से छात्रों को अवगत कराना। 4. व्यावहारिक लेखन में छात्रों को अनुवाद,विज्ञापन और समाचार लेखन से परिचित कराना।
	बी.ए. भाग – I (सत्र- I, II) प्रश्नपत्र – A-B वैकल्पिक हिंदी	1. छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना। 2. छात्रों को हिंदी साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना। 3. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचित कराना। छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन, लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना। 4. निबंध, कहानी, रेखाचित्र, एकांकी, रिपोर्ताज, संस्मरण, व्यंग आदि विधाओं के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास कराना।
	बी.ए. भाग- II (सत्र- III,) 1.प्रश्नपत्र – III – अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य	1. छात्रों को हिंदी के गद्य साहित्य से परिचित कराना। 2. कथा साहित्य का स्वरूप, तत्त्व एवं प्रकारों का छात्रों को अध्ययन कराना। 3. छात्रों को समीक्षा मानदंडो के आधार पर कथा साहित्य का अध्ययन कराना। 4. छात्रों को कथेत्तर साहित्य से परिचित कराना।

Edit with WPS Office

	बी.ए. भाग- II (सत्र- IV) 2. प्रश्नपत्र – V रोजगारपरक हिंदी	1. छात्रों में हिंदी में कार्य करने की विचार क्षमता, कल्पनाशीलता एवं रुचि विकसित करना। 2. छात्रों को रोजगार उन्मुख शिक्षा एवं कौशल प्रदान करना। 3. छात्रों को कार्यालय और व्यवसाय में हिंदी प्रयोग का कौशल ज्ञान विकसित करना। 4. छात्रों को प्रत्राचार के स्वरूप से परिचय कराना।
	बी.ए. भाग- II (सत्र- III) 3.प्रश्नपत्र – IV – हिंदी संतकाव्य तथा राष्ट्रीय काव्यधारा	1. छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना। 2. छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना। 3. छात्रों को मध्यकालीन हिंदी कवियों से परिचित कराना। 4. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्यएवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण करना।
	बी.ए. भाग- II (सत्र- IV) 4. प्रश्नपत्र – VI अस्मितामूलक विमर्श और पद्य साहित्य	1. छात्रों को हिंदी के पद्य साहित्य से परिचित कराना। 2. छात्रों को आधुनिक हिंदी कवियों से परिचित कराना। 3. छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना। 4. छात्रों को हिंदी साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
	बी.ए. भाग- III (सत्र- V) 1.प्रश्नपत्र क्र. VII – XII विधा विशेष का अध्ययन	1. छात्रो को नाटक विधा से परिचित कराना। 2. छात्रो को उपन्यास के तात्विक स्वरूप का परिचय देना। 3. छात्रो कोनाटककार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना। 4. छात्रो को उपन्यासकार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
	बी.ए. भाग- III (सत्र- V) 2. प्रश्नपत्र VIII -XIII साहित्यशास्त्र	1. छात्रो में साहित्य की मर्म ग्राहिनी क्षमता का विकास कराना। 2. छात्रो को काव्य के विभिन्न अंगों से परिचित कराना 3. छात्रो में साहित्य समीक्षा की दृष्टि से विकसित कराना। 4. छात्रो को भारतीय तथा पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांतों से अवगत कराना।

Edit with WPS Office

	बी.ए. भाग- III (सत्र- V) 3. प्रश्नपत्र IX –XIV हिन्दी साहित्य का इतिहास	1. छात्रो को हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचित कराना। 2. छात्रो को आदिकालीन साहित्य से अवगत कराना। 3. छात्रो को आदिकालीन साहित्यकारो से परिचित कराना। 4. छात्रो को मध्यकालीन साहित्य से परिचित कराना।
	बी.ए. भाग- III (सत्र- V) 4. प्रश्नपत्र क्र.X- XV प्रयोजनमूलक हिंदी	1. छात्रो को अंग्रेजी शब्दों के हिंदी पर्यायवाची रूपो से परिचित कराना। 2. छात्रो को हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली से अवगत कराना। 3. छात्रो को संदर्भ ग्रंथो की सामान्य जानकारी देना। 4. छात्रो को जनसंचार माध्यमो की जानकारी देना।
	बी.ए. भाग- III (सत्र- V) 5. प्रश्नपत्रक्र. XI – XVI भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	1. छात्रो को भाषा के विविध रूपों से परिचित कराना। 2. छात्रो को लिपि विकास का सामान्य परिचय देना 3. छात्रो को भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय देना। 4. छात्रो को हिंदी भाषा के उद्भव और विकास का परिचय कराना।

हिंदी विभाग प्रमुख

Edit with WPS Office